ANNA ADARSH COLLEGE FOR WOMEN (AUTONOMOUS)

FOUNDATION COURSE IN HINDI

HINDI — PAPER III — NOV. 2025

SUB. CODE: 24LANH103B

KEY

SECTION — A.

1A:- क्योंकि जाति पूछने से कोई लाभ नहीं है। साधु में जो ज्ञान है उसको हमें लेना है।

2A:- उद्धव, भगवान कृष्ण के मित्र और सखा थे, जो एक बृहस्पति के शिष्य भी थे। कृष्ण ने उन्हें ब्रज में गोपियों के पास योग और ज्ञान का संदेश लेकर भेजा था।

3A:- तुलसीदास श्रीराम को अपना आराध्य मानते थे और उनके प्रति उनकी भक्ति दास्य भाव से प्रेरित थी।

4A:- राणा ने मीरा को ज़हर का प्याला भेजा, शूल की सेज भी भेजा।

5A:- तिरुवल्लुवर मधुर भाषण में मीठे वचनों का प्रयोग करने की बात करते हैं।

6A:- बिहारी राधा को अपनी प्रेमिका और आराध्या मानते हैं। वे राधा को कृष्ण की शक्ति और प्रेम का प्रतीक मानते हैं।

7A:- वीरगाथा काल में वीरता की कहानियाँ लिखी गई।

8A:- ज्ञानमार्गी शाखा, प्रेममार्गी शाखा, राम काव्य, कृष्ण काव्य।

9A:- कबीर निर्गुण भक्ति शाखा के कवि हैं। उनके भगवान निर्गुण और निराकार हैं।

10A:- अष्टछाप, 16वीं शताब्दी के आठ कृष्ण भक्त कवियों का एक समूह था, जिन्हें वल्लभाचार्य और उनके पुत्र विट्ठलनाथ ने संगठित किया था।

11A:- इस काल में काव्य रचनाओं में श्रृंगार रस की प्रधानता रही है।

12A:- कृष्ण की लीलाओं का वर्णन, वात्सल्य और श्रृंगार रस का मिश्रण, ब्रजभाषा का प्रयोग, भक्ति भावना की प्रधानता।

SECTION — B

13A:- तुलसीदास, विनय के पद

14A:- मीराबाई, पद

15A:- कबीर — साखी

16A:- बिहारी — पद

17A:- सूरदास — भ्रमरगीत

18A:- तिरुवल्लुवर — तिरुक्कुरल

19A:- कबीर — साखी

SECTION — C

20–24 :- प्रश्नों के अनुसार उत्तर विस्तार से लिखना है।

—x—